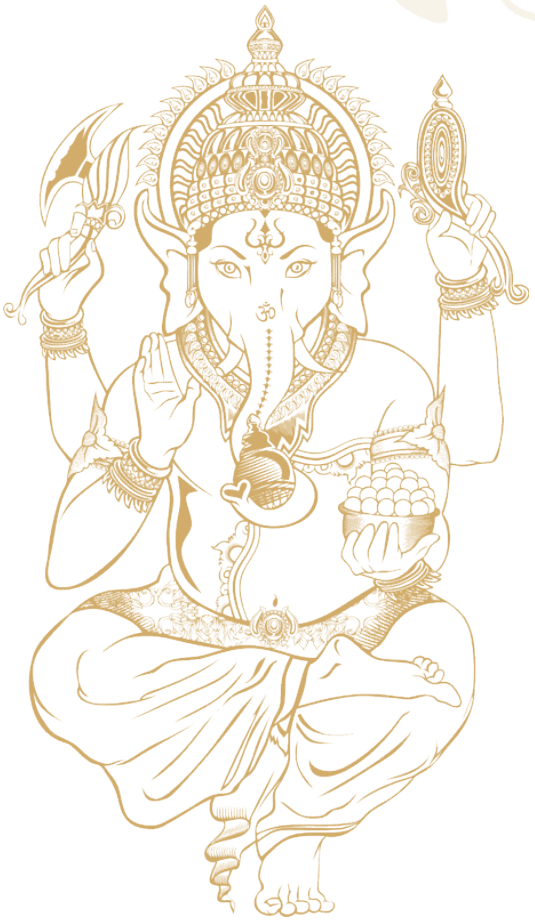

R

29 Oct 2025

07:04 AM

Maharajganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121369906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/10/2025**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**07:04:42 घंटे**
इष्ट	02:10:54 घटी
स्थान	**Maharajganj**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:23:00 उत्तर
रेखांश	81:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:59:50 घंटे
वेलान्तर	00:16:20 घंटे
साम्पातिक काल	09:30:24 घंटे
सूर्योदय	06:12:20 घंटे
सूर्यास्त	17:24:42 घंटे
दिनमान	11:12:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:40:16 तुला
लग्न के अंश	22:15:28 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	धृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:15:28	311:53:27	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			तुला	11:40:16	00:59:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			मक	04:33:59	12:27:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			वृश्चि	01:09:47	00:42:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	स्वराशि
बुध			वृश्चि	05:22:37	01:02:08	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु			कर्क	00:37:48	00:02:39	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	24:40:48	01:14:56	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:43:01	00:02:58	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	22:47:39	00:00:54	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	22:47:39	00:00:54	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:10:09	00:02:13	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:38:00	00:01:16	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:12:06	00:00:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	25:58:47	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित

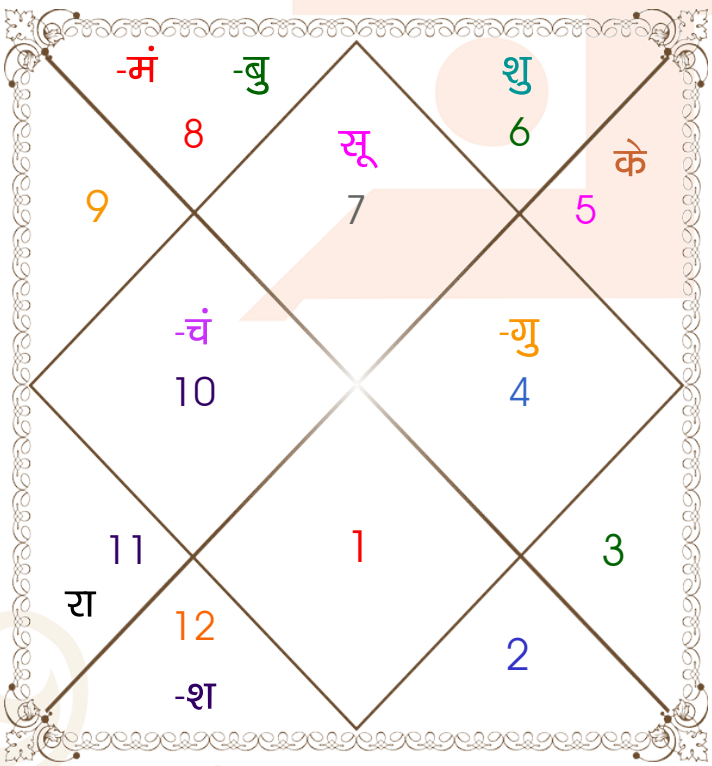

चन्द्र कुंडली

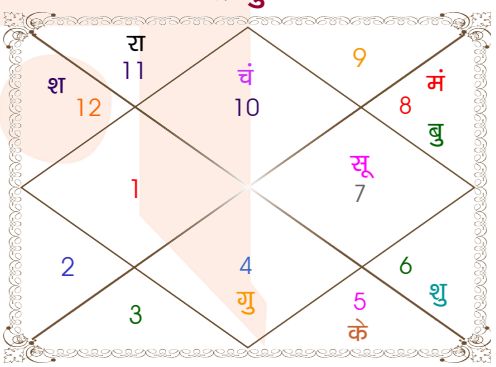

नवमांश कुंडली

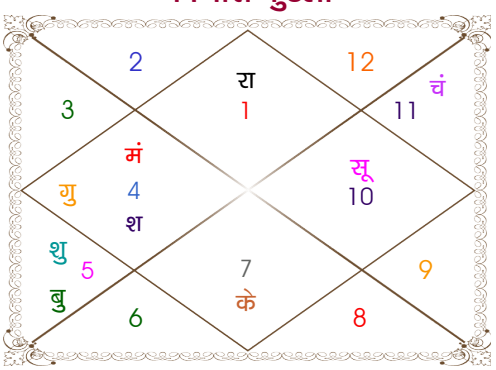

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 5 मास 10 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/10/2025		09/04/2028		09/04/2038		09/04/2045		10/04/2063	
09/04/2028		09/04/2038		09/04/2045		10/04/2063		10/04/2079	
	00/00/0000	चंद्र	07/02/2029	मंगल	06/09/2038	राहु	21/12/2047	गुरु	28/05/2065
	00/00/0000	मंगल	08/09/2029	राहु	24/09/2039	गुरु	16/05/2050	शनि	09/12/2067
	00/00/0000	राहु	10/03/2031	गुरु	30/08/2040	शनि	22/03/2053	बुध	16/03/2070
	00/00/0000	गुरु	09/07/2032	शनि	09/10/2041	बुध	09/10/2055	केतु	20/02/2071
	29/10/2025	शनि	08/02/2034	बुध	06/10/2042	केतु	27/10/2056	शुक्र	21/10/2073
शनि	26/01/2026	बुध	10/07/2035	केतु	04/03/2043	शुक्र	28/10/2059	सूर्य	09/08/2074
बुध	03/12/2026	केतु	08/02/2036	शुक्र	03/05/2044	सूर्य	20/09/2060	चंद्र	09/12/2075
केतु	10/04/2027	शुक्र	09/10/2037	सूर्य	08/09/2044	चंद्र	22/03/2062	मंगल	14/11/2076
शुक्र	09/04/2028	सूर्य	09/04/2038	चंद्र	09/04/2045	मंगल	10/04/2063	राहु	10/04/2079

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/04/2079		09/04/2098		11/04/2115		10/04/2122		10/04/2142	
09/04/2098		11/04/2115		10/04/2122		10/04/2142		00/00/0000	
शनि	12/04/2082	बुध	06/09/2100	केतु	07/09/2115	शुक्र	10/08/2125	सूर्य	29/07/2142
बुध	21/12/2084	केतु	03/09/2101	शुक्र	06/11/2116	सूर्य	10/08/2126	चंद्र	28/01/2143
केतु	29/01/2086	शुक्र	04/07/2104	सूर्य	14/03/2117	चंद्र	10/04/2128	मंगल	04/06/2143
शुक्र	31/03/2089	सूर्य	11/05/2105	चंद्र	13/10/2117	मंगल	10/06/2129	राहु	28/04/2144
सूर्य	13/03/2090	चंद्र	10/10/2106	मंगल	11/03/2118	राहु	10/06/2132	गुरु	14/02/2145
चंद्र	12/10/2091	मंगल	07/10/2107	राहु	29/03/2119	गुरु	09/02/2135	शनि	30/10/2145
मंगल	20/11/2092	राहु	26/04/2110	गुरु	04/03/2120	शनि	10/04/2138		00/00/0000
राहु	27/09/2095	गुरु	01/08/2112	शनि	13/04/2121	बुध	08/02/2141		00/00/0000
गुरु	09/04/2098	शनि	11/04/2115	बुध	10/04/2122	केतु	10/04/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।